

## महत्वपूर्ण एवं खास

गैंगेरेप के आरोपी ने फांसी  
लगाकर दी जान

रायगढ़ (आरएनएस)। सारंगढ़ उप जेल में विचाराधीन कैदी 40 खीरोदर उर्फ ओडिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक नुनिया जामपाती थाना बगड़ ओडिशा राज्य निवासी बताया गया है। उसे पिछले साल 10 नवंबर को ही सारंगढ़ उप जेल में गैंगेप के आरोप में लाया गया था। बताया जा रहा है कि 17 जनवरी को ही उसे कोविड पॉजिटिव पाए जाने पर सारंगढ़ उप जेल के सेल नम्बर 3 में,,, खाया गया था। जिसके बाद 18 जनवरी की रात लगभग 1 बजे से 2 बजे के बीच अपने कपड़े के गमछे का फंदा बनाकर फाँसी लगा ली। उसने फांसी कीयों लगाए पुलिस इस बात की जांच में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि 6 महीने के भीतर ही सारंगढ़ उपजेल में फाँसी का यह दूसरा मामला है।

## प्रदेश में बड़ी ठंड, रात का तापमान 4 डिग्री लुढ़का

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में उत्तर से ठंडी हवाओं का आना लगातार जारी है। इससे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। प्रदेश में सबसे कम तापमान बलरामपुर में 4.4 डिग्री रहा। मौसम विभाग की माने तो अधीर रात के तापमान में गिरावट का क्रम जारी रहेगा। राजनीति में रात के तापमान 13.2 रहा। वहीं अधिकतम तापमान में भी दो से तीन डिग्री तक बृद्धि दर्ज की गई।

## विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार आगामी सप्ताह में होगा

रायपुर (आरएनएस)। रेडकॉस सोसायटी, रायपुर द्वारा विभिन्न पदों के लिए 19 जनवरी को जिला रेडकॉस सोसायटी सभागार, कलेक्टर परिसर, घड़ी चैक के पास, रायपुर में आयोजित साक्षात्कार आगामी सप्ताह में आयोजित की जायेगी। साक्षात्कार की आगामी तिथि की सूचना का प्रकाशन जिले की वेबसाइट में किया जायेगा।

## महिला आयोग की सचिव समेत बदले गए 10 अफसर

रायपुर (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 10 अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। इसमें महिला आयोग की सचिव अनीता अग्रवाल को राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र में उन संचालक बनाया गया है। उनकी जगह कोरबा के जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद किसोड़ा को महिला आयोग का सचिव बनाया गया है। रायपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय को गरियाबंद में पदस्थ किया है और राज्य बाल अधिकार राज्य के संचालक शैल ठाकुर को रायपुर का प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त सचिव पीएस छव्व की ओर से जारी आदेश के मुताबिक गरियाबंद की जिला कार्यक्रम अधिकारी जगरानी एका को धर्मतरी, इंद्रावाली भवन में पदस्थ उप संचालक वरुण नागेश को दतेवाड़ा, धर्मतरी के जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी एमडी नायक को कोखा, दंतवाड़ा के जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी बृन्देन सिंह ठाकुर को बाल अधिकार आनंद किसोड़ा को रायपुर के किसानों के धनावान करेते हैं।

## जिले में 41 लाख विंगटल से ज्यादा धान की हुई खरीदी



जारी की गयी है। अपेक्ष बैंक के

अधिकारी सोंदी ने बताया कि धान विक्रय कर चुके 80 हजार 396 किसानों को धान की 746 करोड़ से अधिक का हुआ भुगतान

रायगढ़। विषयन वर्ष 2021-2022 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जिले में सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

धान खरीदी के लिए जिले में 143

उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से अव

तक कुल 41 लाख 311.60

विंगटल धान की खरीदी की जा रही है। जिसमें से 23 लाख 86

हजार 5.60 विंगटल धान का

उत्तरवर्ष मिलरों द्वारा किया जा रहा है।

धान विक्रय की राशि समय

में प्राप्त होने से किसानों को प्रदान किया जा रहा है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किए गए हैं। धान बेचने वाले किसानों की प्रकार की समस्या

नहीं हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पेयजल, बैंक, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का विशेष तौर पर मौजूद है।

जिले में इस वर्ष किसानों की सुविधा के लिए नवीन उपार्जन केन्द्र प्रारंभ क